Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur

M.A. Part II Hindi w.e.f. June 2021

For University

Semester	Code	Title of the paper	Semester Exam			L	T	P	Total Credits
Third			**Theory**	**IA**	**Total**				
Subject		**Hard Core Compulsory Paper**							
HCT	3.1	हिंदी साहित्य का इतिहास	80	20	100	4	1	0	5
HCT	3.2	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	80	20	100	4	1	0	5
HCT	3.3	अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया	80	20	100	4	1	0	5
	DSE	**DSE (Discipline Specific Elective) (Any One) Optional**							
DSE	3.1	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	80	20	100	4	1	0	5
DSE	3.2	आधुनिक कविता	80	20	100	4	1	0	5
DSE	3.3	हिंदी नाटक एवं रंगमंच	80	20	100	4	1	0	5
DSE	3.4	हिंदी कथेत्तर साहित्य (आत्मकथा और जीवनी)	80	20	100	4	1	0	5
		Generic Elective (Any one)							
OET	3.1	साहित्य मीमांसा	80	20	100	4	1	0	5
OET	3.2	फिल्म मीमांसा	80	20	100	4	1	0	5
OET	3.3	माध्यममीमांसा	80	20	100	4	1	0	5
OET	3.4	बालसाहित्य	80	20	100	4	1	0	5
			400	**100**	**500**	**20**	**5**	**0**	**25**
Forth									
Subject		**Hard Core Compulsory Paper**							
HCT	4.1	हिंदी साहित्य का इतिहास	80	20	100	4	1	0	5
HCT	4.2	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	80	20	100	4	1	0	5

HCT	4.3	Dissertation	80	20	100	4	1	0	5
	DSE	**DSE (Discipline Specific Elective) (Any One) Optional**							
DSE	4.1	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	80	20	100	4	1	0	5
DSE	4.2	आधुनिक हिंदी कविता	80	20	100	4	1	0	5
DSE	4.3	हिंदी नाटक एवं रंगमंच	80	20	100	4	1	0	5
DSE	4.4	हिंदी कथेत्तर साहित्य (संस्मरण और रेखाचित्र)	80	20	100	4	1	0	5
		Soft Core B (Any one) Optional							
SET	4.1	प्रवासी साहित्य	80	20	100	4	1	0	5
SET	4.2	हिंदी निबंध साहित्य	80	20	100	4	1	0	5
SET	4.3	तुलनात्मक साहित्य	80	20	100	4	1	0	5
SCT	4.4	दलित एवं आदिवासी साहित्य	80	20	100	4	1	0	5
			400	**100**	**500**	**20**	**5**	**0**	**25**

Add On course for Semester IV

विज्ञापन लेखन	Lecture + Project Report work	Credits	Marks	UA		CA	
	60	04	100	80	32	20	08

- **Apart from the above course the student can choose Swayam/NPTL course as a Add on course.**
- **The student can choose as a Add on course from the courses started by the skill development centre of the University**

परिचय /Introduction

किसी भी भाषा के समग्र लेखन परंपरा से अवगत होना है तो उसके इतिहास को समझना आवश्यक होता है। क्योंकि तभी उस भाषा साहित्य निर्मिति में प्रदीर्घ लेखन परंपरा जानकारी प्राप्त होती है। जो उस भाषा के साहित्यिक उतार–चढ़ाव से अवगत कराती है। साहित्य में विभिन्न विचार प्रवाह आते हैं जो उस साहित्य समृध्दि को इंगित करते हैं। हिंदी साहित्य की भी विशाल परंपरा है। जिसमें सिध्द,नाथ और रासो साहित्य से लेकर वर्तमान काल का विधागत विस्तार हिंदी साहित्य के व्यापकता को दर्शाता है। इस पाठ्यक्रम में हिंदी साहित्य के अन्तर्गत हिंदी साहित्य के इतिहास का विस्तार से अध्ययन किया जाएगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. हिंदी साहित्य इतिहास का महत्त्व विशद कराना।
2. हिंदी के आदिकालीन साहित्य का परिचय कराना।
3. भक्तिकालीन विभिन्न शाखाओं का परिचय कराना।
4. रीतिकालीन साहित्य का परिचय कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. छात्र हिंदी साहित्य के महत्त्व से परिचित होकर उसका विश्लेषण करते हैं।
2. छात्रों को आदिकालीन साहित्य की जानकारी हो जाती है।
3. छात्र भक्तिकालीन साहित्य से परिचित हो जाते हैं।
4. रीतिकालीन साहित्य से परिचित हो जाते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Title of the Paper-Hard Core Compulsory Paper

HCT 3.1 Hindi Sahitya ka Itihas

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी साहित्य का इतिहास

With effect form June 2021-22

जून 2021–22 से आरंभ

Name of the Course M.A. II Hindi Semester III

एम.ए.भाग 2 हिंदी तृतीय सत्र

CBCS Pattern Paper No. HCT 3.1 प्रश्नपत्र कमांक 3.1

Hindi Sahitya ka Itihas

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी साहित्य का इतिहास

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture-15**

हिंदी साहित्य का इतिहास

- हिंदी साहित्य इतिहास लेखन की परंपरा
- हिंदी साहित्य का काल विभाजन और नामकरण
- आदिकाल का दार्शनिक परिवेश
  (वैदिक दर्शन, चार्वाक दर्शन, बौध्द दर्शन, जैन दर्शन)

इकाई II **Credit-1 Lecture-15**

आदिकाल

- आदिकालीन पृष्ठभूमि (सामाजिक, राजनीतिक)
- सिध्द साहित्य का सामान्य परिचय
- नाथ साहित्य का सामान्य परिचय
- जैन साहित्य का सामान्य परिचय
- रासो साहित्य का सामान्य परिचय

इकाई III **Credit-1 Lecture-15**

भक्तिकाल

- भक्तिकाल की पृष्ठभूमि (सामाजिक, राजनीतिक)
- ज्ञानाश्रयी शाखा– ज्ञानाश्रयी शाखा की प्रवृत्तियाँ
- प्रेमाश्रयी शाखा– ज्ञानाश्रयी शाखा की प्रवृत्तियाँ
- रामभक्ति शाखा– ज्ञानाश्रयी शाखा की प्रवृत्तियाँ
- कृष्णभक्ति शाखा– ज्ञानाश्रयी शाखा की प्रवृत्तियाँ
- कवि परिचय– कबीर, जायसी, तुलसीदास, सूरदास

इकाई IV **Credit-1 Lecture-15**

रीतिकाल

- रीतिकाल की पृष्ठभूमि (सामाजिक, राजनीतिक)
- रीतिबध्द साहित्य की प्रवृत्तियाँ
- रीतिसिध्द साहित्य की प्रवृत्तियाँ
- रीतिमुक्त साहित्य की प्रवृत्तियाँ

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	हिंदी साहित्य का इतिहास	हिंदी साहित्य का इतिहास

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास–आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास–सं.नगेन्द्र, हरदयाल
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास–डॉ.बच्चन सिंह
4. हिंदी साहित्य का इतिहास–डॉ.माधव सोनटक्के
5. हिंदी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ–डॉ.शिवकुमार शर्मा
6. हिंदी साहित्य का सही इतिहास–डॉ.चंद्रभानु सोनवणे
7. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास–डॉ.सूर्यनारायण रणसुभे
8. हिंदी साहित्य : एक सरल परिचय–प्रो.सुरैय्या शेख
9. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास–गणपतिचन्द्र गुप्त
10. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास–सुमन राजे
11. साहित्य और इतिहास दृष्टि–डॉ.मैनेजर पांडेय

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Title of the Paper-Hard Core Compulsory Paper

HCT 3.2 Kavyshashra Avm Sahityalochan

प्रश्नपत्र का नाम : काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

With effect form June 2021-22

जून 2021–22 से आरंभ

परिचय /Introduction

किसी रचना के भाव, विचार एवं मूल्य उद्घाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अपरिहार्य है। काव्यशास्त्र के अध्ययन से एक ऐसी दृष्टि विकसित होती है, जिसके आधार पर साहित्य के मर्म एवं मूल्य को परखा जा सकता है। सांस्कृतिक परिवेश के साथ रचना का आस्वाद प्राप्त करने और जॉचने–परखने के लिए भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का अध्ययन आवश्यक है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. संस्कृत काव्यशास्त्र के विकासक्रम से परिचित कराना।
2. संस्कृत आचार्यों और उनके द्वारा स्थापित सिध्दांतों से अवगत कराना।
3. संस्कृत काव्यशास्त्र के सिध्दांतों की अवधारणा एवं उसके स्वरूप से छात्रों को रूबरू कराना।
4. काव्यशास्त्र को लेकर भारतीय चिन्तन से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. संस्कृत काव्यशास्त्र के विकासक्रम से परिचित होते हैं।
2. संस्कृत आचार्यों और उनके द्वारा स्थापित सिध्दांतों से अवगत हो जाते हैं।
3. संस्कृत काव्यशास्त्र के सिध्दांतों की अवधारणा एवं उसके स्वरूप से छात्र रूबरू होते हैं।
4. काव्यशास्त्र को लेकर भारतीय चिन्तन का परिचय प्राप्त करते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. II Hindi Semester III

एम.ए.भाग 2 हिंदी तृतीय सत्र

CBCS Pattern Paper No. HCT 3.2 प्रश्नपत्र कमांक 3.2

Kavyshastra avm Sahityalochan

प्रश्नपत्र का नाम : काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture-15**

संस्कृत काव्यशास्त्र

1. भारतीय काव्यशास्त्र के विकासक्रम का संक्षिप्त परिचय।
2. रस सिध्दांत :
   - रस शब्द का अर्थ एवं स्वरूप।
   - भरतमुनि का रससूत्र एवं तत्संबंधी भट्टलोलट, शंकुक, भट्टनायक और अभिनव गुप्त इन आचार्यों के मत।
   - साधारणीकरण की अवधारणा और उसके संबंध में विभिन्न मतों का विवेचन।

इकाई II **Credit-1 Lecture-15**

1. अलंकार सिध्दांत :
   - अलंकार की परिभाषा एवं स्वरूप।
   - अलंकार संप्रदाय का विकास।
   - काव्य में अलंकारों का स्थान

इकाई III **Credit-1 Lecture-15**

1. रीति सिध्दांत :

- रीति शब्द का अर्थ एवं परिभाषा।
- रीति के भेद और उसके आधार।
- रीति और गुण।
- रीति और शैली।

2. वक्रोक्ति सिध्दांत :

- वक्रोक्ति की परिभाषा एवं स्वरूप।
- कुन्तक पूर्व वक्रोक्ति विचार।
- वक्रोक्ति के प्रमुख भेद

इकाई IV **Credit-1 Lecture-15**

1. ध्वनि सिध्दांत :

- ध्वनि की परिभाषा एवं स्वरूप।
- ध्वनि और शब्दशक्ति।
- ध्वनि के भेद– अभिधामूलक ध्वनि, लक्षणामूला ध्वनि।

2. औचित्य सिध्दांत :

- औचित्य की परिभाषा एवं स्वरूप।
- आचार्य क्षेमेंद्र पूर्व औचित्य विचार।
- औचित्य के प्रमुख भेद।

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिध्दांत–डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त
2. भारतीय काव्यशास्त्र–डॉ.तारकनाथ बाली
3. काव्यशास्त्र भारतीय एवं पाश्चात्य–डॉ.कन्हैयालाल अवस्थी,डॉ.अमित अवस्थी
4. काव्यशास्त्र–डॉ.भगीरथ मिश्र
5. भारतीय साहित्यशास्त्र खंड 1, 2 – आचार्य बलदेव उपाध्याय
6. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका–डॉ.नगेंद्र
7. साहित्य के प्रमुख सिध्दांत–डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी
8. भारतीय काव्यशास्त्र–सत्यदेव चौधरी
9. रस सिध्दांत : स्वरूप विश्लेषण–डॉ.आनंद प्रकाश दिक्षीत

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Title of the Paper-Hard Core Compulsory Paper

HCT 3.3 Anusndhan Pravidhi Aur Prakriya

प्रश्नपत्र का नाम : अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया

With effect form June 2021-22

जून 2021–22 से आरंभ

परिचय /Introduction

मनुष्य विकास के विभिन्न पड़ाव को जब हम देखते हैं तो यह अनुभव करते हैं कि मनुष्य अपने प्रारंभिक अवस्था से जिज्ञासु रहा है। जिसने अदिम अवस्था से आजतक विभिन्न पड़ावों से गुजरते हुए एक विशिष्ट मुकाम प्राप्त किया है। जीवन उपयोगी सभी भौतिक वस्तुओं का संकलन करते हुए निरंतर नये ज्ञान की प्राप्ति वह करता हुआ दिखाई देता है। इन सभी के पीछे उसकी शोधवृत्ति ही प्रमुख रही है। प्रस्तुत प्रश्नपत्र अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया के अन्तर्गत अनुसंधान प्रविधि तथा प्रक्रिया को लेकर विस्तार से चिन्तन किया जा रहा है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. छात्रों को अनुसंधान प्रविधि एवं प्रक्रिया से परिचित कराना।
2. अनुसंधान की पध्दति से परिचित कराते हुए अनुसंधान करने हेतु छात्रों को सक्षम बनाना।
3. साहित्यिक अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों से अवगत कराना।
4. अनुसंधान के क्षेत्र में संगणक का महत्त्व एवं उसकी उपयोगिता छात्रों को अवगत कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. छात्र अनुसंधान प्रविधि एवं प्रक्रिया से परिचित हो जाते हैं।
2. अनुसंधान की पध्दति को समझकर अनुसंधान करने हेतु छात्र सक्षम हुए हैं।
3. साहित्यिक अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों से अवगत हुए हैं।
4. अनुसंधान के क्षेत्र में संगणक का महत्त्व एवं उसकी उपयोगिता को समझते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. II Hindi Semester III

एम.ए.भाग 2 हिंदी तृतीय सत्र

CBCS Pattern Paper No. HCT 3.3 प्रश्नपत्र कमांक 3.3

Anusndhan Pravidhi Aur Prakriya

प्रश्नपत्र का नाम : अनुसंधान प्रविधि और प्रकिया

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture-15**

- अनुसंधान का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
- अनुसंधान का प्रयोजन
- अनुसंधान के प्रकार

  1. साहित्यिक अनुसंधान 2. साहित्येतर अनुसंधान

इकाई II **Credit-1 Lecture-15**

- अनुसंधान की पध्दतियाँ

  1. वर्णनात्मक 2. ऐतिहासिक 3. तुलनात्मक
- अनुसंधान कर्ता के गुण
- शोध निर्देशक के गुण

इकाई III **Credit-1 Lecture-15**

- अनुसंधान की प्रकिया :

  1. विषय–चयन 2. सामग्री संकलन 3. सामग्री का विश्लेषण 4. निष्कर्ष
- अनुसंधान और कम्प्यूटर

- शोध प्रबंध लेखन प्रणाली : शोध प्रबंध शीर्षक, रूपरेखा, भूमिका लेखन अध्याय विभाजन, संदर्भ उल्लेख, सहायक ग्रंथ सूची, टंकन, वर्तनी सुधार

इकाई IV **Credit-1 Lecture-15**

- अनुसंधान और आलोचना
- अनुसंधान और कविता
- अनुसंधान और कथा साहित्य
- अनुसंधान और कथेतर साहित्य
- अनुसंधान और तुलनात्मक साहित्य

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	–	अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया

संदर्भ ग्रंथ :

1. अनुसंधान की प्रक्रिया–डॉ.सावित्री सिन्हा और डॉ.विजयेन्द्र स्नातक, नॅशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली
2. अनुसंधान प्रविधि सिध्दांत और प्रक्रिया–एस. एन. गणेशन
3. शोध प्रविधि–विनयमोहन शर्मा
4. शोध प्रविधि–डॉ.हरिश्चन्द्र वर्मा
5. अनुसंधान विवेचन–डॉ.उदयभानु सिंह
6. साहित्य सिध्दांत और शोध–डॉ.आनंद प्रकाश दीक्षित
7. हिंदी शोध तंत्र की रूपरेखा–डॉ.मनमोहन सहगल
8. शोध प्रक्रिया एवं विवरणिका–डॉ.सरनाम सिंह
9. शोध विज्ञान कोश–डॉ.दु.का. संत
10. नवीन शोध विज्ञान–डॉ.तिलक सिंह

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Title of the Paper- Discipline Specific Elective A Paper

DSE 3.1 Prachin Avm Madhykalin Kavy

प्रश्नपत्र का नाम : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

With effect form June 2021-22

जून 2021–22 से आरंभ

परिचय /Introduction

प्राचीन काल में रासो साहित्य, सिध्द साहित्य एवं नाथ साहित्य परंपरा दिखाई देती है। आदिकालीन हिंदी रासो काव्य परंपरा के कवि राजाश्रित थे इसलिए उन्होंने शौर्य एवं ऐश्वर्य की अतिशयोक्तिपूर्ण प्रशंसा अपने रचनाओं में की। तो बौध्द धर्म के अन्तर्गत दो शाखाओं में से एक वज्रयानी जिने सिध्द भी कहा गया। जिनकी संख्या 84 है। उनकी भी रचनाएँ इस काल में आती है। इसके अलावा इस काल में नाथ साहित्य भी लिखा जा रहा था। जिसका प्रभाव आगे संत साहित्य पर भी दिखाई देता है। इस संप्रदाय में गोरखनाथ का स्थान महत्त्वपूर्ण है। उनके रचनाओं में गुरूमहिमा, इन्द्रिय निग्रह, प्राण साधना, वैराग्य, कुण्डलिनी जागरण एवं शून्य समाधि का वर्णन है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम में उनके चुनिंदा पदों को अध्ययन के लिए रखा गया है। साथ ही पूर्व मध्यकालीन काव्य के अन्तर्गत आनेवाले सूफी सम्प्रदाय के प्रमुख कवि मलिक मुहम्मद जायसी कृत पद्मावत के चुनिंदा खण्डों को अध्ययनार्थ रखा गया है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. छात्रों को प्राचीन काव्य परंपरा से परिचित कराना।
2. छात्रों को नाथ साहित्य एवं गोरखबानी से परिचित कराना।
3. छात्रों को सूफी काव्य से परिचित कराते हुए जायसी के पद्मावत से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. छात्र प्राचीन काव्य परंपरा से परिचित हुए ।
2. छात्रों ने नाथ साहित्य एवं गोरखबानी का परिचय प्राप्त किया है।
3. छात्र सूफी काव्य को समझते हुए जायसी के पद्मावत से परिचित हुए है।

शिक्षण अधिगम प्रकिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. II Hindi Semester III

एम.ए.भाग 2 हिंदी तृतीय सत्र

CBCS Pattern Paper No. DSE 3.1 प्रश्नपत्र कमांक 3.1

Prachin Avm Madhykalin Kavy

प्रश्नपत्र का नाम : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्ययनार्थ विषय

पाठ्यपुस्तक : विद्यापति पदावली–(रामवृक्ष बेनीपुरी कमानुसार)

इकाई I **Credit-1 Lecture-15**

- आदिकालीन काव्य परंपरा का संक्षिप्त परिचय
- विद्यापति का परिचय
- पदावली के पद

  श्रीकृष्ण वंदन पद क.1, राधा वंदना पद क. 2, नखशिख पद क.10,11,12

इकाई II **Credit-1 Lecture-15**

- पदावली के पद

  सद्या स्नाता पद क. 23, प्रेम प्रसंग पद क. 27,29,33, कृष्ण की दूति पद क. 45,48, राधा की दूति पद क. 52,53,54, सखी शिक्षा पद क. 62,64, मिलन पद क. 83,85

पाठ्यपुस्तक : जायसी ग्रंथावली–सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

इकाई III **Credit-1 Lecture-15**

1. सूफी काव्य
2. मलिक मुहम्मद जायसी का जीवनवृत्त

3. पद्मावत का संक्षिप्त परिचय

- सिंहलद्वीप वर्णन खंड पद क्र. 25,26,27,
- मानसरोदक खंड पद क्र. 59,60,61,62,63,64,65

इकाई IV **Credit-1 Lecture-15**

- नखशिख खंड पद क्र. 100,102,106,109,111,113,116
- प्रेम खंड पद क्र. 119,120,121,122,123,124,125

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ.नगेंद्र
2. विश्वकवि विद्यापति–सीताराम झा श्याम
3. विद्यापति अनुशीलन एवं मूल्यांकन–सं.डॉ.वीरेन्द्र श्रीवास्तव, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना
4. हिंदी साहित्य सूफी भक्ति की प्रासंगिकता – डॉ.राजेंद्र यादव
5. जायसी – आ.रामचंद्र शुक्ल
6. मलिक मुहम्मद जायसी : एक अध्यन – रामरतन भटनागर, किताब महल, इलाहाबाद

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Title of the Paper-Discipline Specific Elective Paper

DSE 3.2 Adhuneek Hindi Kavita

प्रश्नपत्र का नाम : आधुनिक हिंदी कविता

With effect form June 2021-22

जून 2021–22 से आरंभ

परिचय /Introduction

आधुनिक हिंदी काव्य जनजागरण, नई चेतना एवं गतिशीलता लेकर अवतरित हुआ है। आधुनिक गतिशील जीवन एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ–साथ राष्ट्रीय चेतना एवं समाज सुधार उसके केंद्र में हैं। उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्ध से अबतक समाज जीवन की समस्त भावनाओं एवं संवेदनाओं को आधुनिक कविता व्यक्त करती है। विभिन्न धाराओं में प्रवाहित हिंदी कविता प्रेरणा एवं ऊर्जा का श्रोत रही है। अतः मानव संवेदना एवं ज्ञान क्षितिज के विस्तार हेतु इस काव्य का अध्ययन अत्यंत उपयोगी ही नहीं अपितु प्रासंगिक भी है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. छात्रों को आधुनिक हिंदी कविता से परिचित कराना।
2. छात्रों में आधुनिक काव्य के अध्ययन, आस्वादन एवं मूल्यांकन की दृष्टि विकसित कराना।
3. छात्रों को काव्य संवेदना और शिल्पगत अध्ययन से अवगत कराना।
4. छात्रों में हिंदी कविता के प्रति जागृति निर्माण कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. छात्र आधुनिक हिंदी कविता से परिचित होंगे।
2. छात्रों में आधुनिक काव्य के अध्ययन, आस्वादन एवं मूल्यांकन की दृष्टि विकसित होगी।
3. छात्रों में कविता के कथ्य एवं शिल्पगत अध्ययन करने की क्षमता विकसित होगी।
4. छात्रों में हिंदी कविता के प्रति जागृति निर्माण होंगी।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. II Hindi Semester III

एम.ए.भाग 2 हिंदी तृतीय सत्र

CBCS Pattern Paper No. DSE 3.2 प्रश्नपत्र कमांक 3.2

Adhuneek Hindi Kavita

प्रश्नपत्र का नाम : आधुनिक हिंदी कविता

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture-15**

जयशंकर प्रसाद–कामायनी

- श्रध्दा सर्ग

  संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।

इकाई II **Credit-1 Lecture-15**

शमशेर बहादुर सिंह

- चुका भी हूँ नहीं मैं
- सींग और नाखून
- संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन

इकाई III **Credit-1 Lecture-15**

नागार्जुन–प्रतिनिधि कविताएँ–सं. नामवर सिंह

- प्रेत का बयान
- अकाल और उसके बाद

इकाई IV **Credit-1 Lecture-15**

अशोक वाजपेयी

- कितने दिन और बचे हैं?
- हार जीत
- थोड़ा सा

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	आधुनिक हिंदी कविता	आधुनिक हिंदी कविता

संदर्भ ग्रंथ :

1. नागार्जुन–प्रतिनिधि कविताएँ–सं. नामवर सिंह
2. छायावाद–नामवर सिंह
3. छायावाद के आधार स्तंभ–गंगाप्रसाद पाण्डेय
4. छायावादी कवियों का सौन्दर्य विधान–सूर्यप्रसाद दीक्षित
5. कामायनी : एक पुनर्विचार–मुक्तिबोध
6. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि–द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
7. समकालीन प्रतिनिधि कवि–अनंतकीर्ति तिवारी
8. बात बोलेगी–शमशेर बहादुर सिंह
9. कुछ कविताएँ एवं कुछ और कविताएँ–शमशेर बहादुर सिंह
10. कवियों का कवि शमशेर–डॉ.रंजना अरगडे
11. शमशेर कवितालोक–जगदीश कुमार
12. कहीं नहीं वही–अशोक वाजपेयी
13. अशोक वाजपेयी पाठ कुपाठ–सं.सुधीश पचौरी

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Title of the Paper- Discipline Specific Elective Paper

DSE 3.3 Hindi Natak Aur Rangmanch

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी नाटक और रंगमंच

With effect form June 2021-22

जून 2021–22 से आरंभ

परिचय /Introduction

नाटक साहित्य की महत्त्वपूर्ण विधा है। यह दृक एवं श्रव्य दोनों रूपों को समेटे हुए हैं। नाटक प्रत्यक्ष, कल्पना एवं अध्यवसाय का विषय बन सत्य तथा कल्पना से समन्वित विलक्षण रूप धारण करके दर्शक एवं पाठक दोनों के मनोरंजन के साथ–साथ समाज निर्माण एवं परिवर्तन की चेतना प्रदान करता है। वह अपने साध्य में दृक माध्यम होने के कारण सीधे रंगमंच से जुड़ा है। नाटक में समस्त कलाओं का निर्वाह हम देखते हैं। नाटक को अन्य कलाओं के साथ ललित कलाएँ तथा कलाकार मिलकर आकार देते हैं। इसमें नाटककार, अभिनेता, संगीत, दृश्य विधान, वेशभूषाकार आदि सभी का रचनात्मक सहयोग होता है। जीवन की विसंगतियों, विद्रुपताओं की प्रकट रूप में प्रस्तुति होने के कारण इस सशक्त माध्यम का अध्ययन छात्रोपयोगी एवं अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. छात्रों को नाटक के स्वरूप एवं संरचना से परिचित कराना।
2. छात्रों को नाटक के रचना विधान और रंगमंच से परिचत कराना।
3. छात्रों को हिंदी नाटक एवं रंगमंच के विकास से परिचित कराना।
4. छात्रों में नाट्यास्वादन और मूल्यांकन की दृष्टि विकसित करना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. छात्र नाटक के स्वरूप एवं संरचना से परिचित होंगे।
2. छात्र नाटक के रचना विधान और रंगमंच से परिचत होंगे।
3. छात्र हिंदी नाटक एवं रंगमंच के विकास से परिचित होंगे।
4. छात्रों में नाट्यास्वादन और मूल्यांकन की दृष्टि विकसित होगी।

शिक्षण अधिगम प्रकिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. II Hindi Semester III

एम.ए.भाग 2 हिंदी तृतीय सत्र

CBCS Pattern Paper No. DSE 3.3 प्रश्नपत्र कमांक 3.3

Hindi Natak Aur Rangmanch

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी नाटक और रंगमंच

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture-15**

नाटक : सैध्दांतिक परिचय

- नाटक का स्वरूप, नाटक के तत्त्व, नाटक के प्रकार
- नाट्योत्पत्ति संबंधी विभिन्न चिन्तन
- नाटक की विधागत विशेषताएँ
- एकांकी नाटक, गीति नाट्य और नुक्कड नाटक का स्वरूप

इकाई II **Credit-1 Lecture-15**

रंगमंच का स्वरूप

- रंगमंच की परिकल्पना, व्याख्या, प्रकृति तथा स्वरूप
- प्रदर्शन की विभिन्न इकाइयाँ– मंचन, प्रदर्शन, प्रस्तुति
- रंगशिल्प और रंग संप्रेषण के विभिन्न घटक
- नाटक और रंगमंच का अंत संबंध

इकाई III **Credit-1 Lecture-15**

निर्धारित नाटक

एक सत्य हरिश्चंद्र–लक्ष्मीनारायण लाल

- कथ्यगत अध्ययन
- रंगमंचीय अध्ययन
- तात्विक मूल्यांकन

इकाई IV **Credit-1 Lecture-15**

निर्धारित नाटक

एक और द्रोणाचार्य–शंकर शेष

- कथ्यगत अध्ययन
- रंगमंचीय अध्ययन
- तात्विक मूल्यांकन

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	हिंदी नाटक और रंगमंच	हिंदी नाटक और रंगमंच

संदर्भ ग्रंथ :

1. नाटक और रंगमंच–सं.गिरीश रस्तोगी
2. हिंदी नाटक और रंगमंच–प्र.सं. गिरीश्वर मिश्र, दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय,वर्धा
3. रंग दर्शन–नेमिचंद्र जैन
4. हिंदी नाटक उद्‌भव और विकास–दशरथ ओझा
5. नाट्य चिन्तन और रंगदर्शन अंत संबंध–गिरीश रस्तोगी
6. भारतीय नाट्य परंपरा और डॉ.लाल तथा विजय तेंडूलकर के नाटक–डॉ.नानासाहेब जावळे
7. पारसी हिंदी रंगमंच–लक्ष्मीनारायण लाल
8. नाट्यशास्त्र–राधावल्लभ त्रिपाठी
9. एक सत्य हरिश्चंद्र–लक्ष्मीनारायण लाल, राजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली
10. एक और द्रोणाचार्य–शंकर शेष, परमेश्वरी प्रकाशन, दिल्ली

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Title of the Paper- Discipline Specific Elective Paper

DSE 3.4 Hindi Kathettr Sahitya (Aatmkatha Aur Jivani)

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी कथेतर साहित्य (आत्मकथा और जीवनी)

With effect form June 2021-22

जून 2021–22 से आरंभ

परिचय /Introduction

हिंदी कथेतर साहित्य में आत्मकथा और जीवनी यह महत्त्वपूर्ण साहित्य विधा है। आत्मकथा साहित्य आत्मानुभूति उपज है तो जीवनी साहित्य परोनुभूति परक होती है। दोनों विधाओं में जीवन के विभिन्न पहलुओं के आधार बनाते हुए समाज के सामने रखा जाता है। यह जीवन भले ही किसी व्यक्ति का हो किन्तु फिर भी उस व्यक्तित्व के साथ–साथ तत्कालीन परिवेश और जीवन के अजीबो–गरीब अनुभवों को समाज के सामने लाता है। इसलिए आत्मकथा और जीवनी सामाजिक विभिन्न क्षेत्रों के व्यक्तित्व को लेकर लिखी जाती है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. छात्रों को आत्मकथा के सैध्दांतिक पक्ष से परिचित कराना।
2. छात्रों को अन्या से अनन्या आत्मकथा से परिचित कराना।
3. छात्रों को जीवनी के सैध्दांतिक पक्ष से परिचित कराना।
4. छात्रों को कलम का मजदूर जीवनी से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. छात्र आत्मकथा के सैध्दांतिक पक्ष से परिचित हो गये।
2. छात्रों ने अन्या से अनन्या आत्मकथा का अध्ययन किया।
3. छात्र जीवनी के सैध्दांतिक पक्ष से परिचित हो गये।
4. छात्र कलम का मजदूर जीवनी के माध्यम से प्रेमचंद के जीवन–कार्य से परिचित हुए।

शिक्षण अधिगम प्रकिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. II Hindi Semester III

एम.ए.भाग 2 हिंदी तृतीय सत्र

CBCS Pattern Paper No. DSE 3.4 प्रश्नपत्र कमांक 3.4

Hindi Kathettr Sahitya (Aatmkatha Aur Jivani)

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी कथेतर साहित्य (आत्मकथा और जीवनी)

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture-15**

आत्मकथा :

- आत्मकथा का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
- आत्मकथा के तत्त्व
- आत्मकथा के प्रकार
- आत्मकथा की विशेषताएँ
- हिंदी आत्मकथा साहित्य का विकास

पाठ्यपुस्तक : अन्या से अनन्या (आत्मकथा)–प्रभा खेतान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई II **Credit-1 Lecture-15**

- प्रभा खेतान का परिचय
- अन्या से अनन्या का तात्विक विवेचन

इकाई III **Credit-1 Lecture-15**

जीवनी :

- जीवनी का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
- जीवनी के तत्त्व
- जीवनी के प्रकार
- जीवनी की विशेषताएँ
- हिंदी जीवनी साहित्य का विकास

पाठ्यपुस्तक : कलम का मजदूर (जीवनी)–मदन गोपाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई IV **Credit-1 Lecture-15**

- मदन गोपाल का परिचय
- कलम का मजदूर का तात्विक विवेचन

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	–	हिंदी कथेतर साहित्य (आत्मकथा और जीवनी)

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी का कथेतर गद्य परंपरा और प्रयोग–प्र.सं.दयानिधि मिश्र, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
2. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास–रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद
3. गद्य के विविध रूप–सं. माजद असद, ग्रंथ अकादमी,नई दिल्ली
4. हिंदी साहित्य का आधुनिक इतिहास–डॉ.तारकनाथ बाली
5. हिंदी साहित्य का इतिहास–सं. डॉ.नगेन्द्र, डॉ.हरदयाल
6. हिंदी उद्‌भव, विकास और रूप–डॉ.हरदेव बाहरी

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Title of the Paper-Open Elective Paper

OET 3.1 Sahitya Mimansa

प्रश्नपत्र का नाम : साहित्य मीमांसा

With effect form June 2021-22

जून 2021–22 से आरंभ

परिचय /Introduction

साहित्य को समाज से अलग नहीं किया जा सकता क्योंकि साहित्य समाज का ही दर्शन कराता है। समाज के दुःख,दर्द को वाणी देता है, उसे दिशा दर्शन कराता है। अर्थात् साहित्य और समाज एक–दूसरे को सदैव प्रभावित करते रहते हैं। साहित्य चाहे प्राचीन हो या आज का उसमें मानवीय जीवन कहीं न कहीं झलकता है। इसलिए हम उसका अध्ययन करते हैं और कुछ न कुछ उससे प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। प्रस्तुत पाठ्यक्रम में उसी बात को मद्देनजर रखते हुए साहित्य के विभिन्न विधाओं को रखा गया है। जिसमें रचना का सूक्ष्मता से अध्ययन करते हुए उसके रचना पाठ को समझना है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. कविता का अध्ययन करते हुए अर्न्तवस्तु से परिचित कराना।
2. उपन्यास को पढ़ते हुए उसमें अभिव्यक्त जीवन के विभिन्न छटाओं को दिखाना।
3. जीवनी में आ गए चरित्र को समझते हुए उसके कार्य का अवलोकन करना।
4. नाटक का अध्ययन करते हुए नाटककार के उद्देश्य को समझना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. कविता का अध्ययन करते हुए अर्न्तवस्तु से परिचित हुए।
2. उपन्यास को पढ़ते हुए उसमें अभिव्यक्त जीवन के विभिन्न छटाओं को समझा है।
3. जीवनी में आ गए चरित्र को समझते हुए उसके कार्य का अवलोकन किया है।
4. नाटक का अध्ययन करते हुए नाटककार के उद्देश्य को समझा है।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. II Hindi Semester III

एम.ए.भाग 2 हिंदी तृतीय सत्र

CBCS Pattern Paper No. OET 3.1 प्रश्नपत्र कमांक 3.1

Sahitya Mimansa

प्रश्नपत्र का नाम : साहित्य मीमांसा

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture-15**

कुकुरमुत्ता (कविता) – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

इकाई II **Credit-1 Lecture-15**

सेप्पुकु (उपन्यास) – विनोद भारद्वाज, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई III **Credit-1 Lecture-15**

झोपड़ी से राष्ट्रपति भवन तक (जीवनी) – महेंद्र कुलश्रेष्ठ,राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली

इकाई IV **Credit-1 Lecture-15**

मातोश्री (नाटक) – सोमित्रा महाजन

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	–	साहित्य मीमांसा

संदर्भ ग्रंथ :

1. साहित्य समय और आलोचना–मृत्युंजय पाण्डेय, आनंद प्रकाशन
2. आलोचना का सांस्कृतिक आयाम–संभव प्रकाशन, कैथल
3. नारीवादी आलोचना–किंगसन सिंह पटेल, अनन्या प्रकाशन
4. पुनर्वाचन–पंकज पराशर
5. आधुनिक कविता का पुनर्पाठ, करूणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Title of the Paper-Open Elective Paper

OET 3.2 Film Mimansa

प्रश्नपत्र का नाम : फिल्म मीमांसा

With effect form June 2021-22

जून 2021–22 से आरंभ

परिचय /Introduction

फिल्म जनसंचार एवं मनोरंजन का महत्त्वपूर्ण माध्यम है। जिस तरह साहित्य का समाज के साथ संबंध है, उसी तरह फिल्म में भी समाज प्रतिबिंबित होता है। जितना प्रभावित समाज को साहित्य करता है उतने ही फिल्म में प्रेमचंद जैसे रचनाकारों ने उसके महत्त्व को समझा था। वह स्वयं साहित्य के साथ–साथ फिल्मों से भी जुड़ना चाहते थे। उनके अनुसार फिल्म के माध्यम अनपढ़ एवं पढ़े लिखे लोगों तक पहुँचा जा सकता है। कमलेश्वर जैसे रचनाकार ने उसी बात को समझते हुए फिल्मों में समान्तर आंदोलन चलाया और उसे समाज के साथ जोड़ा। आज भी कई सारी फिल्में सामाजिक दायित्वों को निभाती है। हिंदी में ऐसे कई फिल्मों का निर्माण हुआ जिन्होंने राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक प्रश्नों को समाज के सामने रखते हुए उसे दिशा दर्शन भी किया। इसलिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम में विभिन्न विषयों को लेकर फिल्मों को अध्ययन के लिए रखा गया है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. हिंदी फिल्म उद्भव एवं विकास को जानना।
2. फिल्म निर्मिति प्रक्रिया को समझना।
3. तीनों फिल्म निर्मिति एवं पात्रों का परिचय प्राप्त करना।
4. फिल्मों में सामाजिक विभिन्न अंगों को समझना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. हिंदी फिल्म उद्भव एवं विकास को समझा है।
2. फिल्म निर्मिति प्रक्रिया को समझ गये है।
3. फिल्म निर्मिति एवं पात्रों से परिचित हुए है।
4. फिल्मों में आए सामाजिक विभिन्न अंगों समझा है।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. प्रत्यक्ष फिल्म
2. कक्षा व्याख्यान
3. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. II Hindi Semester III

एम.ए.भाग 2 हिंदी तृतीय सत्र

CBCS Pattern Paper No. OET 3.2 प्रश्नपत्र कमांक 3.2

Film Mimansa

प्रश्नपत्र का नाम : फिल्म मीमांसा

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture-15**

- हिंदी फिल्म उद्‌भव एवं विकास
- फिल्म निर्मिति प्रक्रिया

इकाई II **Credit-1 Lecture-15**

ओ माय गॉड – उमेश शुक्ला,निर्देशक

- निर्मिति एवं पात्र
- सामाजिक विभिन्न अंग

इकाई III **Credit-1 Lecture-15**

दंगल – नितेश तिवारी,निर्देशक

- निर्मिति एवं पात्र
- सामाजिक विभिन्न अंग

इकाई IV **Credit-1 Lecture-15**

तारे जमीन पर – आमिर खान, निर्माता–निर्देशक

- निर्मिति एवं पात्र
- सामाजिक विभिन्न अंग

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	–	फिल्म मीमांसा

संदर्भ ग्रंथ :

1. सिनेमा और संस्कृति–राही मासूम रज़ा, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
2. बहुआयामी हिंदी सिनेमा भाग 1–डॉ.लखन रघुवंशी, डॉ.सोनाली नरगुंदे
3. भारतीय सिनेमा का सफरनामा–सं.पुनीत बिसारिया,राजनारायण शुक्ल, ॲटलेन्टिक डिस्ट्रीब्युटर
4. हिंदी सिनेमा : सार्थकता की तलाश!–प्रकाश कांत, अनतिका प्रकाशन
5. नये दौर का नया सिनेमा–प्रियदर्शन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिंदी सिनेमा एक अध्ययन–राजेश कुमार, तक्षशिला प्रकाशन
7. बॉलीवुड पाठ विमर्श के संदर्भ में–ललित जोशी
8. विषय चलचित्र–सत्यजित रे

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Title of the Paper-Open Elective Paper

OET 3.3 Madham Mimansa

प्रश्नपत्र का नाम : माध्यम मीमांसा

With effect form June 2021-22

जून 2021–22 से आरंभ

परिचय /Introduction

जन–जन तक विचार पहुॅचाने का कार्य प्राचीन काल से माध्यम करते आ रहे हैं। इन माध्यमों की बात करें तो पारंपारिक माध्यमों में लोककला, लोकसाहित्य आदि का प्रमुख स्थान है। इसके अलावा जब मुद्रण कला का अविष्कार हुआ तो समाचार पत्र, किताबों के जरिए विचार लोगों तक पहुॅचते थे। आगे रेडियो, टेलीविजन जैसे इलेक्ट्रॉनिक माध्यम सामने आ गये। जिन्होंने एक विचार करोड़ो लोगों तक पहुॅचाया किन्तु आज के सूचना क्रांति ने पूरी दुनियां को बदल दिया। कम्प्यूटर, इंटरनेट के आने से अमूलाग्र परिवर्तन हुआ। विश्व के एक कोने से निकला विचार दूसरे कोने तक एक क्लिक के साथ पहुॅचने लगा। यह सब किमया इन आधुनिक माध्यमों की। इसलिए आज के युग को माध्यमों का युग कहे तो अतिशोक्ति नहीं होगी। इस माध्यमों का अध्ययन प्रस्तुत पाठ्यक्रम में किया जाएगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. परंपरागत माध्यमों से अवगत कराना।
2. मुद्रित माध्यमों को समझते हुए उससे परिचित होना।
3. इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से अवगत कराना।
4. नव इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का अध्ययन कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. परंपरागत माध्यमों से अवगत हुए है।
2. मुद्रित माध्यमों को समझते हुए उससे परिचित हो गये है।
3. इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से अवगत हुए है।
4. नव इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का अध्ययन करने के बाद उससे अवगत हुए है।

शिक्षण अधिगम प्रकिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. II Hindi Semester III

एम.ए.भाग 2 हिंदी तृतीय सत्र

CBCS Pattern Paper No. OET 3.3 प्रश्नपत्र कमांक 3.3

Madham Mimansa

प्रश्नपत्र का नाम : माध्यम मीमांसा

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture-15**

परंपरागत माध्यम अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

- लोकगीत
- लोककथा
- नुक्कड़ नाटक

इकाई II **Credit-1 Lecture-15**

मुद्रित माध्यम अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

- पुस्तकें
- समाचार पत्र
- पत्रिकाएँ

इकाई III **Credit-1 Lecture-15**

इलेक्ट्रॉनिक माध्यम अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

- रेडियो
- टेलीविजन
- फिल्म

इकाई IV **Credit-1 Lecture-15**

नव इलेक्ट्रॉनिक माध्यम अर्थ,परिभाषा एवं स्वरूप

- ब्लॉग्स
- फेसबुक
- व्हाट्सएप
- ट्विटर

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	–	फिल्म मीमांसा

संदर्भ ग्रंथ :

1. संचार माध्यम लेखन–गौरीशंकर रैणा,वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. नए जन–संचार माध्यम और हिंदी–सं. सुधीश पचौरी,अचला शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. जनसंचारिकी सिध्दांत और अनुप्रयोग–डॉ.राम लखन मीणा, कल्पना प्रकाशन,दिल्ली
4. शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनीकी–रवीन्द्र कुमार, सूर्या पब्लिकेशन, मेरठ
5. ग्रामीण समाज और संचार बदलते आयाम–डॉ.निर्मला सिंह व ऋषि गौतम
6. आधुनिक संचार माध्यम अवधारणा एवं प्रक्रिया–सुधा वर्मा, भाषा प्रकाशन

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Title of the Paper-Open Elective Paper

OET 3.4 Bal Sahitya

प्रश्नपत्र का नाम : बाल साहित्य

With effect form June 2021-22

जून 2021–22 से आरंभ

परिचय /Introduction

बाल साहित्य की परंपरा हमारे यहाँ सदियों से चली आ रही है जो पहले मौखिक थी। दादा–दादी, नाना–नानी तरह–तरह की कहानियाँ सुनाते थे किन्तु शहरीकरण और वैश्विक बाजार में दादा–दादी गाँव में छूट गये। बाल साहित्य इसी कमी को पूरा करने में मददगार सिध्द हो रहा है। हिंदी साहित्य के अन्तर्गत विभिन्न विधाओं में बाल साहित्य लिखा जा रहा है। जिनमें कविता, उपन्यास, कहानी, नाटक, जीवनी आदि। बाल साहित्य का प्रमुख अध्ययता भले ही बालक हो किन्तु यह साहित्य बड़ों के लिए भी उतना ही ज्ञानपरक और मनोरंजक है। बाल मनोविज्ञान को समझने में यह महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम इन तमाम बातों को मद्देनजर रखते हुए रखा गया है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. बाल साहित्य से अवगत कराना।
2. बाल कविता से परिचित कराना।
3. बाल कहानियों से अवगत कराना।
4. बाल नाटक का अध्ययन कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. छात्र बाल साहित्य से अवगत हो गये है।
2. छात्रों ने बाल कविता कविताओं का अध्ययन किया है।
3. छात्र बाल कहानियों से परिचित हुए है।
4. छात्र बाल नाटक को समझे है।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. II Hindi Semester III

एम.ए.भाग 2 हिंदी तृतीय सत्र

CBCS Pattern Paper No. OET 3.4 प्रश्नपत्र कमांक 3.4

Bal Sahitya

प्रश्नपत्र का नाम : बाल साहित्य

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture-15**

- बाल साहित्य अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
- बाल साहित्य की विशेषताएँ
- बाल साहित्य का परिचय : कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक तथा अन्य विधाएँ

पाठ्यपुस्तक : हँसने दो मुस्काने दो (बाल कविता संग्रह) – नरेन्द्र सिंह 'नीहार' कौपल प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई II **Credit-1 Lecture-15**

- नरेन्द्र सिंह 'नीहार' परिचय
- हँसने दो मुस्काने दो कविताएँ संग्रह की प्रतिनिधिक कविताएँ–
  हँसने दो मुस्काने दो, माँ, मोबाइल, परीक्षा, तुलसी, कौआ और कोयल, बादल, बारिश, पर्वत, नदिया, जंगल, कबूतर, हाथी, तारे, होली, ईद, रेल, सडक, अख़बार, हवा, पुस्तकें

पाठ्यपुस्तक : पढ़ो कहानी, मिले सफलता (बाल कहानी संग्रह) – श्याम कृष्ण सक्सेना
आयुष पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली

इकाई III **Credit-1 Lecture-15**

- श्याम कृष्ण सक्सेना का परिचय
- प्रतिनिधिक कहानियाँ :

1. आत्मविश्वास
2. अपनी मदद स्वयं करो
3. चौकीदार
4. लगान
5. मजाक–मजाक में
6. मेहनत सबसे बड़ा गुण
7. प्रकृति प्रेम
8. राजा की तलाश

पाठ्यपुस्तक : छू मंतर (बाल नाटक संग्रह) – प्रताप सहगल, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली

इकाई IV **Credit-1 Lecture-15**

- प्रताप सहगल का परिचय
- छू मंतर (पांच नाटक)

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	–	बाल साहित्य

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी बाल साहित्य : एक अध्ययन–डॉ.हरिकृष्ण देवसरे, आत्माराम एण्ड सन्स,नई दिल्ली
2. हिंदी बाल साहित्य की रूपरेखा–डॉ.श्रीपाद,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. बाल साहित्य 21 वीं सदी में–जयप्रकाश भारती,अभिरूचि प्रकाशन,दिल्ली
4. हिंदी बाल साहित्य का इतिहास–प्रकाश मनु, प्रभात प्रकाशन,नई दिल्ली
5. भारतीय बाल साहित्य : एक विवेचन–सं.मनोहर वर्मा, राजस्थान साहित्य अकादमी,उदयपुर
6. हिंदी बाल कविता का इतिहास–प्रकाश मनु, मेधा बुक्स,नई दिल्ली

PUNYSHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

M.A. II Year Hindi Semester IV

एम. ए. हिंदी द्वितीय वर्ष चतुर्थ सत्र

Choice Based Credit System

सी.बी.सी.एस. प्रणाली के अनुसार

(For University- विश्वविद्यालय हेतु)

Semester	Code	Title of the Paper	Semester Exam			L	T	P	Credits
Fourth									
Subject		**Hard Core Compulsory Paper**							
HCT	4.1	हिंदी साहित्य का इतिहास	80	20	100	4	1	0	5
HCT	4.2	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	80	20	100	4	1	0	5
HCT	4.3	**Dissertation**	80	20	100	4	1	0	5
		DSE A (Any One) Optional							
DSE	4.1	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	80	20	100	4	1	0	5
DSE	4.2	आधुनिक हिंदी कविता	80	20	100	4	1	0	5
DSE	4.3	हिंदी नाटक और रंगमंच	80	20	100	4	1	0	5

DSE	4.4	हिंदी कथेतर साहित्य (संस्मरण और रेखाचित्र)	80	20	100	4	1	0	5
		Soft Core B (Any One) Optional							
SCT	4.1	प्रवासी साहित्य	80	20	100	4	1	0	5
SCT	4.2	हिंदी निबंध साहित्य	80	20	100	4	1	0	5
SCT	4.3	तुलनात्मक साहित्य	80	20	100	4	1	0	5
SCT	4.4	दलित एवं आदिवासी साहित्य	80	20	100	4	1	0	5
		Total	**400**	**100**	**500**	**20**	**05**	**00**	**25**

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Title of the Paper-Hard Core Compulsory Paper

HCT 4.1 Hindi Sahitya ka Itihas

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी साहित्य का इतिहास

With effect form June 2021-22

जून 2021–22 से आरंभ

परिचय /Introduction

किसी भी भाषा के समग्र लेखन परंपरा से अवगत होना है तो उसके इतिहास को समझना आवश्यक होता है। क्योंकि तभी उस भाषा साहित्य निर्मिति में प्रदीर्घ लेखन परंपरा जानकारी प्राप्त होती है। जो उस भाषा के साहित्यिक उतार–चढ़ाव से अवगत कराती है। साहित्य में विभिन्न विचार प्रवाह आते हैं जो उस साहित्य समृध्दि को इंगित करते हैं। हिंदी साहित्य की भी विशाल परम्परा है। जिसमें सिध्द,नाथ और रासो साहित्य से लेकर वर्तमान काल का विधागत विस्तार हिंदी साहित्य के व्यापकता को दर्शाता है। इस पाठ्यक्रम में आधुनिक काल के भारतेन्दु काल से लेकर समकालीन कविता तक और गद्य के विभिन्न विधाओं का विवेचन करते हुए साहित्य के प्रमुख विर्मर्शों का विस्तार से अध्ययन किया जाएगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. आधुनिक कालीन परिवेश एवं विभिन्न दर्शनों से परिचित कराना।
2. भारतेन्दु काल से लेकर समकालीन कविता तक सामान्य प्रवृत्तियों से अवगत कराना।
3. हिंदी गद्य की विभिन्न विधाओं से परिचित कराना।
4. विभिन्न विमर्शों का परिचय कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. आधुनिक कालीन परिवेश एवं विभिन्न दर्शनों से परिचित हुए है।
2. भारतेन्दु काल से लेकर समकालीन कविता तक सामान्य प्रवृत्तियों से अवगत हुए है।
3. हिंदी गद्य की विभिन्न विधाओं से परिचित हुए है।
4. विभिन्न विमर्शों का परिचय हुआ है।

शिक्षण अधिगम प्रकिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. II Hindi Semester IV

एम.ए.भाग 2 हिंदी चतुर्थ सत्र

CBCS Pattern Paper No. HCT 4.1 प्रश्नपत्र कमांक 4.1

Hindi Saitya ka Itihas

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी साहित्य का इतिहास

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture-15**

आधुनिक काल

- आधुनिक काल की पृष्ठभूमि (सामाजिक, राजनीतिक)
- आधुनिक काल का दार्शनिक परिवेश
  (गांधीवाद, फुले–आंबेडकर वाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद)
- भारतेन्दु युग और द्विवेदी युग

इकाई II **Credit-1 Lecture-15**

हिंदी पद्य साहित्य का विकास

- छायावादी कविता : सामान्य प्रवृत्तियाँ
- प्रगतिवादी कविता : सामान्य प्रवृत्तियाँ
- प्रयोगवादी कविता : सामान्य प्रवृत्तियाँ
- नई कविता : सामान्य प्रवृत्तियाँ
- साठोत्तरी कविता : सामान्य प्रवृत्तियाँ
- समकालीन कविता : सामान्य प्रवृत्तियाँ

इकाई III **Credit-1 Lecture-15**

हिंदी गद्य विधाओं के विकास का सामान्य परिचय

- हिंदी उपन्यास उद्‌भव और विकास
- हिंदी कहानी उद्‌भव और विकास
- हिंदी नाटक उद्‌भव और विकास
- हिंदी निबंध उद्‌भव और विकास
- हिंदी गद्य की अन्य विधाओं का सामान्य परिचय
  (जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा वृत्तांत, आलोचना)

इकाई IV **Credit-1 Lecture-15**

बीसवीं सदी के अंतिम दशकों का हिंदी साहित्य

- स्त्री विमर्श
- दलित विमर्श
- आदिवासी विमर्श
- किन्नर विमर्श

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	हिंदी साहित्य का इतिहास	हिंदी साहित्य का इतिहास

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास–आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास–सं.नगेन्द्र, हरदयाल
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास–डॉ.बच्चन सिंह
4. हिंदी साहित्य का इतिहास–डॉ.माधव सोनटक्के
5. हिंदी साहित्य की युग और प्रवृत्तियाँ–डॉ.शिवकुमार शर्मा
6. हिंदी साहित्य का सही इतिहास–डॉ.चंद्रभानु सोनवणे
7. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास–डॉ.सूर्यनारायण रणसुभे
8. हिंदी साहित्य : एक सरल परिचय–प्रो.सुरैय्या शेख
9. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास–गणपतिचन्द्र गुप्त
10. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास–सुमन राजे
11. साहित्य और इतिहास दृष्टि–डॉ.मैनेजर पांडेय

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Title of the Paper-Hard Core Compulsory Paper

HCT 4.2 Kavyshashra Avm Sahityalochan

प्रश्नपत्र का नाम : काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

With effect form June 2021-22

जून 2021–22 से आरंभ

परिचय /Introduction

किसी रचना के भाव, विचार.एवं मूल्य उद्घाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अपरिहार्य है। काव्यशास्त्र के अध्ययन से एक ऐसी दृष्टि विकसित होती है, जिसके आधार पर साहित्य के मर्म एवं मूल्य को परखा जा सकता है। सांस्कृतिक परिवेश के साथ रचना का आस्वाद प्राप्त करने और जांचने–परखने के लिए भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का अध्ययन आवश्यक है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के इतिहास से परिचित कराना।
2. पाश्चात्य चिन्तकों और उनके द्वारा स्थापित सिध्दांतों से अवगत कराना।
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिध्दांतों की अवधारणा एवं उसके स्वरूप से छात्रों को रूबरू कराना।
4. काव्यशास्त्र को लेकर पाश्चात्य चिन्तन से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के इतिहास से परिचित होते हैं।
2. पाश्चात्य चिन्तकों और उनके द्वारा स्थापित सिध्दांतों से अवगत हो जाते हैं।
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिध्दांतों की अवधारणा एवं उसके स्वरूप से छात्र रूबरू होते हैं।
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र को लेकर पाश्चात्य चिन्तन से परिचय प्राप्त करते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. II Hindi Semester IV

एम.ए.भाग 2 हिंदी चतुर्थ सत्र

CBCS Pattern Paper No. HCT 4.2 प्रश्नपत्र कमांक 4.2

Kavyshastra avm Sahityalochan

प्रश्नपत्र का नाम : काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture-15**

पाश्चाय काव्यशास्त्र :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के इतिहास का संक्षिप्त परिचय।
2. अनुकरण सिध्दांत :
   - अनुकरण सिध्दांत का स्वरूप।
   - प्लेटो और अरस्तु के अनुकरण विषयक विचारों की तुलना।

इकाई II **Credit-1 Lecture-15**

1. उदात्त सिध्दांत :
   - उदात्त का अर्थ एवं स्वरूप।
   - उदात्त के तत्त्व – अन्तरंग एवं बहिरंग तत्त्व।
   - उदात्त के विरोधी तत्त्व।
2. कल्पना सिध्दांत :
   - कल्पना सिध्दांत की भूमिका, काव्य कला की उत्पत्ति, कल्पना शब्द का अर्थ।
   - कल्पना के भेद– मुख्य और गौण कल्पना।
   - कल्पना और रम्य कल्पना में अन्तर।

इकाई III **Credit-1 Lecture-15**

1. अभिव्यंजनावाद :

- क्रोंचे की कला विषयक धारणा।
- अंतः प्रज्ञा और अभिव्यंजना का नित्य संबंध।
- अभिव्यंजना और कला का संबंध।
- क्रोंचे के अनुसार कला निष्पति की प्रक्रिया।

2. निर्वैयक्तिकता सिध्दांत और वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिध्दांत :

- इलियट की निर्वैयक्तिकता की धारणा,परिवर्तित धारणा।
- व्यक्तिगत भावों का सामान्यीकरण।
- वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिध्दांत का स्वरूप।

इकाई IV **Credit-1 Lecture-15**

1. मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद एवं संप्रेषण सिध्दांत :

- काव्य मूल्यों की मनोवैज्ञानिक व्याख्या।
- मनोवेगों के दो प्रकार, मनोवेगों में संतुलन।
- संप्रेषण का स्वरूप और महत्त्व।

2. हिंदी आलोचना : सिध्दांत तथा प्रकार

- शास्त्रीय आलोचना
- ऐतिहासिक आलोचना
- मनोवैज्ञानिक आलोचना
- प्रगतिवादी आलोचना
- स्त्रीवादी आलोचना
- अंबेडकरवादी आलोचना

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिध्दांत–डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र नई प्रवृत्तियाँ–राजनाथ महत्त्व
3. काव्यशास्त्र भारतीय एवं पाश्चात्य–डॉ.कन्हैयालाल अवस्थी,डॉ.अमित अवस्थी
4. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा–रामचन्द्र तिवारी
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा–सं.सावित्री सिन्हा
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र–देवेन्द्रनाथ शर्मा
7. पाश्चात्य साहित्य सिध्दांत विवेचन–डॉ.ओमप्रकाश शर्मा
8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र–डॉ.भगीरथ दिक्षीत
9. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिध्दांत–डॉ.कृष्णदेव शर्मा

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Title of the Paper-Discipline Specific Elective Paper

DSE 4.1 Prachin Avm Madhykalin Kavya

प्रश्नपत्र का नाम : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

With effect form June 2021-22

जून 2021–22 से आरंभ

परिचय /Introduction

प्राचीन काल में रासो साहित्य, सिध्द साहित्य एवं नाथ साहित्य परंपरा दिखाई देती है। आदिकालीन हिंदी रासो काव्य परंपरा के कवि राजाश्रित थे इसलिए उन्होंने शौर्य एवं ऐश्वर्य की अतिशयोक्तिपूर्ण प्रशंसा अपने रचनाओं में की। तो पूर्वमध्यकाल में सगुण और निर्गुण साहित्य की प्रधानता रही। तुलसीदास, सूरदास, कबीर और जायसी जैसे प्रमुख संत कवियों का बोलबाला रहा। उत्तर मध्यकाल जिसे रीतिकाल भी कहा जाता है। इस काल की रचनाओं को हम रीतिबध्द, रीतिसिध्द और रीतिमुक्त तीन भागों में विभाजित कर देख सकते हैं। जिनमें से कुछ कवियों ने रीतिग्रंथ लिखे, कुछ कवियों रीति की जानकारी रखते हुए अपने कविताओं में उसका उपयोग किया। तो कुछ कवियों ने बंधन मुक्त होकर लेखन किया। प्रस्तुत पाठ्यक्रम में रीतिसिध्द कवि बिहारी तथा रीतिमुक्त कवि घनानंद की कविताओं को अध्ययनार्थ रखा गया है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. छात्रों को उत्तर मध्यकालीन काव्य से परिचित कराना।
2. छात्रों को बिहारी तथा उनके कविताओं से परिचित कराना।
3. छात्रों को रीतिमुक्त कवि घनानंद तथा उनके कविता से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. छात्र उत्तर मध्यकालीन काव्य से परिचित हुए।
2. छात्रों को बिहारी तथा उनके कविताओं का परिचय हुआ।
3. छात्रों ने रीतिमुक्त कवि घनानंद तथा उनके कविताओं परिचय हुआ।

शिक्षण अधिगम प्रकिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. II Hindi Semester IV

एम.ए.भाग 2 हिंदी चतुर्थ सत्र

CBCS Pattern Paper No. DSE 4.1 प्रश्नपत्र क्रमांक 4.1

Prachin Avm Madhykalin Kavya

प्रश्नपत्र का नाम : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्ययनार्थ विषय

पाठ्यपुस्तक : संक्षिप्त भूषण–भगवानदास तिवारी, साहित्य भवन प्रा.लि., इलाहाबाद

इकाई I **Credit-1 Lecture-15**

- कवि भूषण का परिचय

1. गणेश स्तवन पद क्र. 1
2. शक्ति वंदना पद क्र. 2
3. राजवंश वर्णन 3 से 10 दोहे

इकाई II **Credit-1 Lecture-15**

4. रायगढ वर्णन पद क्र.17, 20, 23, 26, 27, 28, 30, 31,

पाठ्यपुस्तक : घनानंद काव्य और आलोचना–डॉ.किशोरी लाल, साहित्य भवन प्रा.लिमिटेड, इलाहाबाद

इकाई III **Credit-1 Lecture-15**

1. घनानंद का परिचय
2. सुजानहित पद क्र 1–20

इकाई IV **Credit-1 Lecture-15**

- सुजानहित पद क्र 21–40

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – सं.डॉ.नगेंद्र
2. प्राचीन कवि–विश्वम्भर 'मानव',राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भूषण और उनका साहित्य–डॉ.राजमल बोरा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
4. घनानंद काव्य और आलोचना–डॉ.किशोरी लाल
5. घनानंद का श्रृंगार काव्य–रामदेव शुक्ल

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Title of the Paper-Discipline Specific Elective Paper

DSE 4.2 Adhuneek Hindi Kavita

प्रश्नपत्र का नाम : आधुनिक हिंदी कविता

With effect form June 2021-22

जून 2021–22 से आरंभ

परिचय /Introduction

आधुनिक हिंदी काव्य जनजागरण, नई चेतना एवं गतिशीलता लेकर अवतरित हुआ है। आधुनिक गतिशील जीवन एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ–साथ राष्ट्रीय चेतना एवं समाज सुधार उसके केन्द्र में हैं। उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्ध से अबतक समाज जीवन की समस्त भावनाओं एवं संवेदनाओं को आधुनिक कविता व्यक्त करती है। विभिन धाराओं में प्रवाहित हिंदी कविता प्रेरणा एवं ऊर्जा का स्त्रोत रही है। अतः मानव संवेदना एवं ज्ञान क्षितिज के विस्तार हेतु इस काव्य का अध्ययन अत्यंत उपयोगी ही नहीं अपितु प्रासंगिक भी है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. छात्रों को आधुनिक हिंदी कविता से परिचित कराना।
2. छात्रों में आधुनिक काव्य के अध्ययन, आस्वादन एवं मूल्यांकन की दृष्टि विकसित कराना।
3. छात्रों को काव्य संवेदना और शिल्पगत अध्ययन से अवगत कराना।
4. छात्रों में हिंदी कविता के प्रति जागृति निर्माण करना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. छात्र आधुनिक हिंदी कविता से परिचित होंगे।
2. छात्रों में आधुनिक हिंदी काव्य के अध्ययन, आस्वादन एवं मूल्यांकन की दृष्टि विकसित होगी।
3. छात्रों में कविता के कथ्य एवं शिल्पगत अध्ययन करने की क्षमता विकसित होगी।
4. छात्रों में आधुनिक हिंदी कविता की जागृति निर्माण होगी।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. II Hindi Semester IV

एम.ए.भाग 2 हिंदी चतुर्थ सत्र

CBCS Pattern Paper No. DSE 4.2 प्रश्नपत्र कमांक 4.2

Adhuneek Hindi Kavita

प्रश्नपत्र का नाम : आधुनिक हिंदी कविता

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture-15**

गजानन माधव 'मुक्तिबोध'

- ब्रम्ह्राक्षस
- भूल गलती

संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन

इकाई II **Credit-1 Lecture-15**

रघुवीर सहाय

- नेता क्षमा करें
- लोकतंत्रीय मृत्यु

संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन

इकाई III **Credit-1 Lecture-15**

चंद्रकांत देवताले

- इस चमकदार जनतंत्र में सिर्फ जनता का ही नामोनिशान नहीं
- बुध्द के देश में बुश

संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन

इकाई IV **Credit-1 Lecture-15**

कँवल भारती

- तब तुम्हारी निष्ठा क्या होती?
- शम्बूक
- बहिष्कार

संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	आधुनिक हिंदी कविता	आधुनिक हिंदी कविता

संदर्भ ग्रंथ :

1. चाँद का मुंह टेढ़ा है–गजानन माधव 'मुक्तिबोध'
2. रघुवीर सहाय का कविकर्म–सुरेश शर्मा
3. नई कविता और काव्य–अजय तिवारी
4. आत्महत्या के विरूध्द–रघुवीर सहाय
5. समकालीन प्रतिनिधि कवि–अनंतकीर्ति तिवारी
6. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि– द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
7. उदारीकरण, भूमंडलीकरण एवं दलित–सं. अरूण कुमार
8. दलित चेतना और समकालीन दलित कविता–डॉ.रमेश कुमार
9. पत्थर फेंक रहा हूँ–चंद्रकांत देवताले

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Title of the Paper-Discipline Specific Elective Paper

DSE 4.3 Hindi Natak Aur Ragmanch

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी नाटक और रंगमंच

With effect form June 2021-22

जून 2021–22 से आरंभ

परिचय /Introduction

नाटक साहित्य की महत्त्वपूर्ण विधा है। यह दृक एवं श्रव्य दोनों रूपों को समेटे हुए हैं। नाटक प्रत्यक्ष, कल्पना एवं अध्यवसाय का विषय बन सत्य तथा कल्पना से समन्वित विलक्षण रूप धारण करके दर्शक एवं पाठक दोनों के मनोरंजन के साथ–साथ समाज निर्माण एवं परिवर्तन की चेतना प्रदान करता है। वह अपने साध्य में दृक माध्यम होने के कारण सीधे रंगमंच से जुड़ा है। नाटक में समस्त कलाओं का निर्वाह हम देखते हैं। नाटक को अन्य कलाओं के साथ ललित कलाएँ तथा कलाकार मिलकर आकार देते हैं। इसमें नाटककार, अभिनेता, संगीत, दृश्य विधान, वेशभूषाकार आदि सभी का रचनात्मक सहयोग होता है। जीवन की विसंगतियों, विद्रुपताओं की प्रकट रूप में प्रस्तुति होने के कारण इस सशक्त माध्यम का अध्ययन छात्रोंपयोगी एवं अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. छात्रों को नाटक के स्वरूप एवं संरचना से परिचित कराना।
2. छात्रों को नाटक के रचना विधान और रंगमंच से परिचत कराना।
3. छात्रों को हिंदी नाटक एवं रंगमंच के विकास से परिचित कराना।
4. छात्रों में नाट्यास्वादन और मूल्यांकन की दृष्टि विकसित करना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. छात्र नाटक के स्वरूप एवं संरचना से परिचित होंगे।
2. छात्र नाटक के रचना विधान और रंगमंच से परिचत होंगे।
3. छात्र हिंदी नाटक एवं रंगमंच के विकास से परिचित होंगे।
4. छात्रों में नाट्यास्वादन और मूल्यांकन की दृष्टि विकसित होगी।

शिक्षण अधिगम प्रकिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. II Hindi Semester IV

एम.ए.भाग 2 हिंदी चतुर्थ सत्र

CBCS Pattern Paper No. DSE 4.3 प्रश्नपत्र कमांक 4.3

Hindi Natak Aur Rangmanch

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी नाटक और रंगमंच

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture-15**

हिंदी नाटक : परंपरा और विकास

- हिंदी नाटक का उद्‌भव एवं विकास
- प्रसाद पूर्व नाटक, प्रसाद युगीन नाटक, प्रसादोत्तर नाटक, समकालीन नाटककार
- पारसी रंगमंच
- हिंदी नाट्‌य चिन्तन : भारतेन्दु हरिश्चंद्र, जयशंकर प्रसाद, मोहन राकेश

इकाई II **Credit-1 Lecture-15**

हिंदी रंगमंच

- हिंदी रंगमंच का विकासक्रम
- हिंदी रंगमंच के विकास में अनूदित नाटकों की भूमिका
- रंगमंच की विभिन्न शैलियाँ
- रंगभाषा

इकाई III **Credit-1 Lecture-15**

निर्धारित नाटक

आधे अधूरे–मोहन राकेश

- कथ्यगत अध्ययन
- रंगमंचीय अध्ययन
- तात्विक मूल्यांकन

इकाई IV **Credit-1 Lecture-15**

निर्धारित नाटक

कोर्ट मार्शल–स्वदेश दीपक

- कथ्यगत अध्ययन
- रंगमंचीय अध्ययन
- तात्विक मूल्यांकन

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	हिंदी नाटक और रंगमंच	हिंदी नाटक और रंगमंच

संदर्भ ग्रंथ :

1. नाटक और रंगमंच– संपा.गिरीश रस्तोगी
2. हिंदी नाटक और रंगमंच– प्रधान संपादक. गिरीश्वर मिश्र, दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय,वर्धा
3. रंग दर्शन–नेमिचंद्र जैन
4. हिंदी नाटकः उद्‌भव और विकास–दशरथ ओझा
5. नाट्य चिंतन और रंगदर्शन अंतः संबंध–गिरीश रस्तोगी
6. भारतीय नाट्य परंपरा और डॉ.लाल तथा विजय तेंडुलकर के नाटक–डॉ.नानासाहेब जावळे
7. पारसी हिंदी रंगमंच– लक्ष्मीनारायण लाल
8. नाट्यशास्त्र– राधावल्लभ त्रिपाठी
9. कोर्ट मार्शल– स्वदेश दीपक, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
10. आधे अधूरे– मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Title of the Paper-Discipline Specific Elective Paper

DSE 4.4 Hindi Kathettr Sahitya (Snsmarn Aur Rekhachitr)

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी कथेतर साहित्य (संस्मरण और रेखाचित्र)

With effect form June 2021-22

जून 2021–22 से आरंभ

परिचय /Introduction

कथेतर साहित्य के अन्तर्गत महत्त्वपूर्ण विधाओं में संस्मरण और रेखाचित्र को जाना जाता है। स्मृति के आधार पर किसी विषय, वस्तु अथवा व्यक्ति को लेकर साहित्यिक एवं कलात्मक रूप में कोई लेखक लिखता है तो वह संस्मरण कहलाता है। उसी तरह रेखाचित्र याने रेखाओं के माध्यम से प्रस्तुत चित्र। किन्तु यहाँ तूलिका के आधार पर रेखाचित्र खींचना नहीं बल्कि शब्दों के माध्यम चित्र उभारना इसमें रेखाचित्रकार विशिष्ट चरित्रों, वस्तुओं, तत्वों, घटनाओं या अनुभूतियों का चित्रण करते हुए उसे सजीव रूप में प्रस्तुत करता है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. छात्रों को संस्मरण विधा को समझाते हुए उसके उद्भव विकास से अवगत कराना।
2. छात्रों को रेखाचित्र विधा को समझाते हुए उसके उद्भव विकास से अवगत कराना।
3. ममता कालिया कृत 'कितने शहरों में कितनी बार' संस्मरण से परिचित कराना।
4. छात्रों को प्रतिनिधिक रेखाचित्रों की जानकारी प्रदान करवाना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. छात्रों को संस्मरण विधा को समझाते हुए उसके उद्भव विकास से अवगत हुए है।
2. छात्रों ने रेखाचित्र विधा को समझाते हुए उसके उद्भव विकास से अवगत हुए है।
3. ममता कालिया कृत 'कितने शहरों में कितनी बार' संस्मरण का अध्ययन किया है।
4. छात्रों को प्रतिनिधिक रेखाचित्रों की जानकारी मिली है।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. II Hindi Semester IV

एम.ए.भाग 2 हिंदी चतुर्थ सत्र

CBCS Pattern Paper No. DSE 4.4 प्रश्नपत्र कमांक 4.4

Hindi Kathettr Sahitya (Snsmarn Aur Rekhachitr)

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी कथेतर साहित्य (संस्मरण और रेखाचित्र)

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture-15**

- संस्मरण : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
- संस्मरण : उद्‌भव और विकास
- रेखाचित्र : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
- रेखाचित्र : उद्‌भव और विकास

पाठ्यपुस्तक : कितने शहरों में कितनी बार (संस्मरण)–ममता कालिया

इकाई II **Credit-1 Lecture-15**

- मथुरा से चलकर
- पूना की प्रेम कहानी
- पढ़ाई, लिखाई और कविताई : इन्दौर
- दिलजली : दिल्ली

इकाई III **Credit-1 Lecture-15**

- लेखन की नींव इलाहाबाद
- फिर वही शहर : इलाहाबाद
- माँ काली और मार्क्सवाद का शहर कलकत्ता
- दो शहरों की छवियाँ

पाठ्यपुस्तक : रेखाएँ और रेखाएँ (रेखाचित्र) – सं.सुधाकर पाण्डेय, विश्वनाथ तिवारी, अनुराग प्रकाशन,वाराणसी

इकाई IV **Credit-1 Lecture-15**

- चन्दा – श्रीराम शर्मा
- महाकवि जयशंकर प्रसाद – शिवपूजन सहाय
- निराला – महादेवी वर्मा
- दादा–स्व. पं. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' – डॉ.नगेन्द्र

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	–	**हिंदी कथेतर साहित्य (संस्मरण और रेखाचित्र)**

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी का कथेतर गद्य परंपरा और प्रयोग–प्र.सं.दयानिधि मिश्र,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
2. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास–रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद
3. गद्य के विविध रूप–सं. माजद असद,ग्रंथ अकादमी,नई दिल्ली
4. हिंदी साहित्य का आधुनिक इतिहास–डॉ.तारकनाथ बाली
5. हिंदी साहित्य का इतिहास–सं. डॉ.नगेन्द्र, डॉ.हरदयाल
6. हिंदी उद्‌भव, विकास और रूप–डॉ.हरदेव बाहरी

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Title of the Paper-Soft Core B Optional Paper

SCT 4.1 Pravasi Sahitya

प्रश्नपत्र का नाम : प्रवासी साहित्य

With effect form June 2021-22

जून 2021–22 से आरंभ

परिचय /Introduction

हिंदी में साहित्य लेखन केवल देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी किया जा रहा है। जिसमें भारतीय संस्कृति के दर्शन देखने को मिलते हैं। जो लोग मूल भारतीय है तथा किसी कारण से विदेशों में जाकर बस गए किन्तु वहाँ पर अपनी संस्कृति और सभ्यता को नहीं भूले है। अपने व्यवहार या जीवनशैली के माध्यम से उन्होंने अपने भारतीय होने का प्रमाण दिया हैं। प्रवासी साहित्य लेखन उसी भारतीय जनमानस का प्रतिबिम्ब है जो भारत से दूर रहकर भी अपने मिट्टी से नहीं टूटना चाहता। ऐसे लोगों द्वारा साहित्य के विभिन्न विधाओं में लेखन किया जा रहा है। जिसमें कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी जैसी कई विधाओं का जिक्र किया जा सकता है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम में इसी प्रवासी साहित्य की अवधारणा को समझते हुए उसका अध्ययन किया जाएगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. छात्रों को प्रवासी साहित्य का अर्थ एवं स्वरूप समझाना।
2. छात्रों को प्रवासी साहित्य के उद्भव और विकास को समझाना।
3. छात्रों को प्रवासी साहित्यकार और उनके साहित्य से परिचित कराना।
4. प्रवासी साहित्य में आ गई भारतीय संस्कृति और अस्मिता से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. छात्रों ने प्रवासी साहित्य का अर्थ एवं उसके स्वरूप को समझा है।
2. छात्र प्रवासी साहित्य के उद्भव और विकास से परिचित हुए है।
3. छात्रों को प्रवासी साहित्यकार और उनके साहित्य से परिचित किया है।
4. प्रवासी साहित्य में आ गई भारतीय संस्कृति और अस्मिता छात्र अवगत हो गये है।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. II Hindi Semester IV

एम.ए.भाग 2 हिंदी चतुर्थ सत्र

CBCS Pattern Paper No. SCT 4. 1 प्रश्नपत्र कमांक 4.1

Pravasi Sahitya

प्रश्नपत्र का नाम : प्रवासी साहित्य

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture-15**

प्रवासी साहित्य

- प्रवासी साहित्य का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
- प्रवासी साहित्य की विशेषताएँ
- प्रवासी साहित्य का उद्‌भव और विकास

पाठ्यपुस्तक : गाँधीजी बोले थे (उपन्यास)–अभिमन्यु अनंत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई II **Credit-1 Lecture-15**

- अभिमन्यु अनंत का जीवन परिचय
- अभिमन्यु अनंत का साहित्यिक परिचय
- गाँधीजी बोले थे का तात्विक विवेचन

इकाई III **Credit-1 Lecture-15**

- उपन्यास की कथावस्तु
- उपन्यास के पात्र एवं चरित्र–चित्रण

- उपन्यास में संवाद एवं कथोपकथन
- उपन्यास में देशकाल एवं वातावरण
- उपन्यास की भाषा शैली एवं उद्देश्य
- गाँधी बोले थे उपन्यास की विशेषताएँ

पाठ्यपुस्तक : देशान्तर (कहानी संग्रह)– –सं.तेजेन्द्र शर्मा, हिंदी अकादमी, दिल्ली, प्र.स. 2013

इकाई IV **Credit-1 Lecture-15**

- कलश–सुषम बेदी
- दूरियों का साथ–पुष्पा सक्सेना
- फुटबॉल–पूर्णिमा वर्मन
- उसकी ज़मीन–उषा वर्मा

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	–	प्रवासी साहित्य

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी का प्रवासी साहित्य–डॉ.कमल किशोर गोयनका
2. प्रवासी साहित्य का इतिहास सिध्दांत एवं विवेचन–डॉ.बापूराव देसाई
3. हिंदी का विश्व सन्दर्भ–डॉ.करूणाशंकर उपाध्याय
4. प्रवासी लेखन नयी ज़मीन, नया आसमान–अनिल जोशी
5. प्रवासी हिंदी साहित्य के बदलते तेवर–सं. डॉ.अनुपमा तिवारी
6. प्रवासी हिंदी साहित्य दशा एवं दिशा–प्र.सं.प्रो. प्रदीप श्रीधर
7. प्रवासी हिंदी साहित्य स्वरूप और अवधारणा–सं.डॉ.दत्ता कोल्हारे, भावना प्रकाशन, नई दिल्ली
8. प्रवासी हिंदी साहित्य विविध आयाम–डॉ.रमा,साहित्य संचय

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Title of the Paper-Soft Core B Optional Paper

SCT 4.2 Hindi Nibndh Sahitya

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी निबंध साहित्य

With effect form June 2021-22

जून 2021–22 से आरंभ

परिचय /Introduction

गद्य साहित्य का अविर्भाव आधुनिक काल में हुआ, उसी तरह निबंध साहित्य भी इसी काल की देन है। पाश्चात्य शिक्षा, राष्ट्रीय जागरण, देश प्रेम, मुद्रण कला का प्रचार, पत्र–पत्रिकाओं का प्रकाशन और अंग्रेजी साहित्य संपर्क आदि कारणों ने निबंध रचना को विशेष प्रोत्साहन दिया। हिंदी में निबंध लेखन की शुरूआत उन्नीसवीं सदी से मानी जाती है। भारतेंदु युग में हिंदी साहित्य के अन्तर्गत निबंध लेखन का प्रारंभ हुआ और उसको प्रौढ अवस्था द्विवेदी युग में प्राप्त हुई। आ. शुक्ल का निबंध लेखन में महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने विचार, शैली और भाषा इन तीनों स्तरों पर कार्य करते हुए उसे उच्चस्थान प्रदान किया। वर्तमान समय में उसके सुदीर्घ परंपरा को जब देखते हैं तो यह स्पष्ट होता है कि, हिंदी निबंध विचारात्मक, भावात्मक, वर्णनात्मक, विवरणात्मक एवं आत्मपरक जैसे स्तरों पर विकसित हुए। प्रस्तुत प्रश्नपत्र हिंदी निबंध साहित्य में इसी निबंध विधा का अध्ययन करते हुए कुछ प्रतिनिधिक निबंधकार एवं उनके निबंधों का अध्ययन किया जाएगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. छात्रों को निबंध साहित्य को समझते हुए उसके स्वरूप से परिचित कराना।
2. छात्रों को निबंध साहित्य के उद्भव और विकास से अवगत कराना।
3. निबंध साहित्य के प्रकारों की जानकारी देना ।
4. हिंदी के प्रमुख निबंधकार एवं उनके प्रमुख निबंधों से परिचित कराना ।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. छात्र निबंध साहित्य को समझते हुए उसके स्वरूप से परिचित हो जाते हैं।
2. छात्र निबंध साहित्य के उद्भव और विकास से अवगत हुए है।
3. निबंध साहित्य के प्रकारों की जानकारी हो गई है।
4. हिंदी के प्रमुख निबंधकार एवं उनके प्रमुख निबंधों से परिचित हो जाते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. II Hindi Semester IV

एम.ए.भाग 2 हिंदी चतुर्थ सत्र

CBCS Pattern Paper No. SCT 4.2 प्रश्नपत्र कमांक 4.2

Hindi Nibndh Sahitya

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी निबंध साहित्य

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture-15**

निबंध साहित्य

- निबंध का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
- निबंध के तत्त्व एवं प्रकार
- हिंदी निबंध साहित्य का उद्‌भव और विकास
- निबंध साहित्य की विशेषताएँ

इकाई II **Credit-1 Lecture-15**

हिंदी के प्रातिनिधिक निबंधकार और उनके निबंध

- भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है–भारतेन्दु हरिश्चंद्र
- राजा और प्रजा–बालकृष्ण भट्‌ट
- कछुआ–धरम–चंद्रधर शर्मा गुलेरी

इकाई III **Credit-1 Lecture-15**

- क्रोध–आ.रामचन्द्र शुक्ल
- जीने की कला–महादेवी वर्मा
- शिरीष के फूल–आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई IV **Credit-1 Lecture-15**

- नई समीक्षा प्रणाली–आ.नंददुलारे वाजपेयी
- सच बोलना ही कविता है! –कुबेरनाथ राय
- यदि महाभारत फिर से लिखा जाए–शरद जोशी

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	–	हिंदी निबंध साहित्य

संदर्भ ग्रंथ :

1. साहित्यिक निबंध आधुनिक दृष्टिकोण–बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
2. हिंदी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन–डॉ.बाबूराव, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
3. आधुनिक हिंदी निबंध साहित्य–सं.डॉ.एस.पी.शर्मा
4. बालकृष्ण भट्ट के श्रेष्ठ निबन्ध–सं.सत्यप्रकाश मिश्र
5. निबंध : सिध्दांत और प्रयोग–डॉ.हरिहरनाथ द्विवेदी
6. श्रेष्ठ निबंध आचार्य रामचन्द्र शुक्ल–सं.रामचन्द्र तिवारी, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Title of the Paper-Soft Core B Optional Paper

SCT 4.3 Tulnatmak Sahitya

प्रश्नपत्र का नाम : तुलनात्मक साहित्य

With effect form June 2021-22

जून 2021–22 से आरंभ

परिचय /Introduction

तुलनात्मक साहित्य का आधार एक से अधिक भाषाओं में रचित साहित्य है । तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन का मुख्य उद्देश्य 'तुलना करना' है । इस साहित्य के माध्यम से भारतीय तथा वैश्विक साहित्यकारों के विचारों का परिचय प्राप्त होता है। मनुष्य का सीमित ज्ञानक्षेत्र विस्तृत बनता है। तुलनात्मक अध्ययन के कारण ज्ञानार्जन की प्रक्रिया में निहित भाषिक, साहित्यिक, प्रादेशिक, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय तत्वों की बाधा दूर हो जाती है। भारतीय तथा विश्व साहित्य में निहित समानता और विषमता के तत्व स्पष्ट हो जाते हैं। इससे 'अनेकता में एकता' तथा 'वसुधैव विश्व कुटूम्बकम्' की भावना का प्रचार–प्रसार होने में सहायता होती है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. छात्रों को तुलनात्मक साहित्य का अर्थ एवं स्वरूप समझाना।
2. छात्रों को तुलनात्मक साहित्य के उद्भव और विकास को समझाना।
3. छात्रों को तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन में अनुवाद की भूमिका समझाना ।
4. छात्रों को विश्व मानव चेतना के निर्माण में अनुवाद का महत्त्व समझाना ।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. छात्र तुलनात्मक साहित्य के अर्थ एवं स्वरूप से परिचित हो गये है।
2. छात्र तुलनात्मक साहित्य के उद्भव और विकास को समझते हैं।
3. छात्र तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन में अनुवाद की भूमिका से परिचित हो गये है।
4. छात्र विश्व मानव चेतना के निर्माण में अनुवाद के महत्त्व को समझते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. II Hindi Semester IV

एम.ए.भाग 2 हिंदी चतुर्थ सत्र

CBCS Pattern Paper No. SCT 4.3 प्रश्नपत्र कमांक 4.3

Tulnatmak Sahitya

प्रश्नपत्र का नाम : तुलनात्मक साहित्य

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture-15**

तुलनात्मक साहित्य

- तुलनात्मक साहित्य का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
- तुलनात्मक साहित्य की विशेषताएँ
- तुलनात्मक साहित्य की प्रविधि

इकाई II **Credit-1 Lecture-15**

तुलनात्मक साहित्य : उद्‌भव और विकास

- भारतीय चिन्तन परंपरा
- पाश्चात्य चिन्तन परंपरा

इकाई III **Credit-1 Lecture-15**

तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद

- तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन में अनुवाद की भूमिका
- विश्व मानव चेतना के निर्माण में तुलनात्मक साहित्य की भूमिका

इकाई IV **Credit-1 Lecture-15**

भारतीय साहित्य की तुलना हिंदी–मराठी

- कबीर और तुकाराम

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	–	तुलनात्मक साहित्य

संदर्भ ग्रंथ :

1. तुलनात्मक साहित्य – नगेंद्र
2. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका – इंद्रनाथ चौधरी
3. भारतीय साहित्य –नगेंद्र
4. तुलनात्मक साहित्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य – इंद्रनाथ चौधरी
5. तुलनात्मक अध्ययन : स्वरूप और समस्याएँ – राजमल बोरा (संपादक)
6. तुलनात्मक अध्ययन : भारतीय भाषाएँ और साहित्य – राजमल बोरा (संपादक)
7. तुलनात्मक साहित्य विश्वकोश – सं.जी.गोपीनाथ
8. तुलनात्मक साहित्य : सैध्दांतिक परिप्रेक्ष्य – सं.हनुमानप्रसाद शुक्ल
9. तुलनात्मक साहित्य : विश्व संस्कृति और भाषाएँ – डॉ.के.सीतालक्ष्मी
10. तुलनात्मक साहित्य भारतीय संदर्भ – देसाई चैतन्य
11. तुलनात्मक साहित्य सिध्दांत और समीक्षा – डॉ.महावीरसिंह चौहान
12. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – डॉ.रामविलास शर्मा
13. अनुवाद अनुभव अवदान – डॉ.आरसु
14. रोजगारपरक हिंदी – डॉ.ईश्वर पवार

PUNYASHLOK AHILYADEVI HOLKAR SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय,सोलापुर

Name of faculty : Humanities

मानव्यविद्या (मानविकी) शाखा

CBCS Syllabus

Title of the Paper-Soft Core B Optional Paper

SCT 4.4 Dalit avm Adivasi Sahitya

प्रश्नपत्र का नाम : दलित एवं आदिवासी साहित्य

With effect form June 2021-22

जून 2021–22 से आरंभ

परिचय /Introduction

भारतीय मनुवादी वर्णव्यवस्था और सदियों से अस्पृश्यता का शिकार भारतीय दलित एवं आदिवासी समाज आजादी के बाद एक नए सामाजिक परिवर्तन के कारण बड़ी मजबूती से खड़ा हुआ हैं। सदियों की प्रताड़ना, उपेक्षा, सवर्णों द्वारा शोषित और सामंतवादी मानसिकता से जूझते इस अभिशप्त वर्ग ने अपने अधिकारों के लिए आज आर–पार की लडाई शुरू की है जिससे अपने बलबूते पर अपने मूल्यों पर इसे सर्वथा नई पहचान एवं सम्मान मिले।

पिछले दशकों में साहित्य से लेकर राजनीति तक समाज के वंचित तबकों की आवाज मुखर हुई है साहित्य के क्षेत्र में आदिवासी, दलित, नारी और किन्नर विमर्श इसी का प्रतिफल है हिंदी में पहले यह छुट–पूट रूप में था आज एक नए विमर्श के रूप में सामने आए ही नहीं तो अपना एक महत्त्वपूर्ण स्थान बनाया हैं। संस्कृति एवं साहित्य में नए विमर्श और प्रस्थान बिंदु को लेकर दलित और आदिवासी लेखकों ने अपनी रचनाओं को मुखर किया है। यह साहित्य आदिवासी और दलित वर्ग के जीवन की यातना, पीड़ा, आक्रोश, प्रतिरोध और संघर्ष की संवेदना प्रकट करता है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectve

1. छात्रों को आधुनिक हिंदी कथा एवं उसकी विचारधाराओं से परिचित कराना।
2. हिंदी दलित एवं आदिवासी साहित्य से छात्रों को परिचित कराना।
3. दलित एवं आदिवासी साहित्य के स्वरूप से छात्रों को परिचित कराना।
4. छात्रों में सामाजिक मूल्यों की स्थापना कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. छात्र आधुनिक हिंदी साहित्य में प्रवाहित विचारधारा से परिचित होते हैं।
2. दलित साहित्य एवं आदिवासी साहित्य के स्वरूप को छात्र समझते हैं।
3. हिंदी दलित एवं आदिवासी साहित्य से छात्र परिचित हुए हैं।
4. दलित एवं आदिवासी साहित्य लेखन परम्परा से छात्र अवगत होते हैं।
5. छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बिजारोपन हुआ है।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M.A. II Hindi Semester IV

एम.ए.भाग 2 हिंदी चतुर्थ सत्र

CBCS Pattern Paper No. SCT 4.4 प्रश्नपत्र कमांक 4.4

Dalit avm Adivasi Sahitya

प्रश्नपत्र का नाम : दलित एवं आदिवासी साहित्य

(Credit Theory 4 Practical 0)

Total Theory Lecture 60

अंक 100 (80 UA 20 CA)

अध्ययनार्थ विषय

इकाई I **Credit-1 Lecture-15**

दलित साहित्य का स्वरूप

- दलित शब्द का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
- दलित साहित्य पर फुले–अम्बेडकरवाद का प्रभाव
- दलित साहित्य का उद्‌भव और विकास
- हिंदी में दलित साहित्य लेखन परंपरा

पाठ्यपुस्तक :

1. छप्पर – जयप्रकाश कर्दम, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई II **Credit-1 Lecture-15**

हिंदी दलित उपन्यास

- हिंदी दलित उपन्यास लेखन की परंपरा
- जयप्रकाश कर्दम का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
- छप्पर – जयप्रकाश कर्दम

इकाई III **Credit-1 Lecture-15**

आदिवासी साहित्य का स्वरूप

- आदिवासी शब्द, परिभाषा एवं स्वरूप
- आदिवासी साहित्य की विशेषताएँ
- आदिवासी साहित्य का उद्‌भव और विकास
- हिंदी में आदिवासी साहित्य लेखन परंपरा

पाठ्यपुस्तक :

1. पलाश के फूल – पीटर पाल एक्का

इकाई IV **Credit-1 Lecture-15**

हिंदी आदिवासी उपन्यास

- आदिवासी जीवन केन्द्रित हिंदी उपन्यास परंपरा
- पलाश के फूल उपन्यास का कथ्य एवं शिल्प
- पीटर पाल एक्का का जीवन और रचना संसार
- पलाश के फूल में आदिवासी जीवन एवं संस्कृति

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper	Name of the New Paper
1	–	दलित एवं आदिवासी साहित्य

संदर्भ ग्रंथ :

1. दलित साहित्य की अवधारणा–वीर भारत तलवार
2. चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य–श्योराज सिंह बेचैन
3. भारतीय दलित साहित्य आंदोलन : एक संक्षिप्त इतिहास–मोहनदास नैमिशराय
4. आज का दलित साहित्य–डॉ.तेज सिंह
5. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र–शरणकुमार लिम्बाले
6. भारत में आदिवासी विकास की समस्याएँ–पी.आर.नायडू
7. आदिवासी स्वर और नयी शताब्दी–रमणिका गुप्ता
8. हिंदी में आदिवासी जीवन केन्द्रित उपन्यासों का समीक्षात्मक अध्ययन–बी.के.कलासवा
9. आदिवासी साहित्य विमर्श–गंगा सहाय मीना
10. आदिवासी दर्शन और साहित्य–वंदना टेटे